Vindhyan Ecology and Natural History Foundation

36/30, Shivpuri Colony, Station Road, Mirzapur, Uttar Pradesh-231001
www.vindhyabachao.org

।। जय माँ विंध्यवासिनी ।। **।। जय माँ गंगे ।।**

Lt.No. 2017/04/31/UP/CM

सेवा में, दिनाँक- 30 अप्रैल, 2017

श्री योगी आदित्यनाथजी,

माननीय मुख्यमंत्री,

उत्तर प्रदेश सरकार

विषय: जनपद मिर्ज़ापुर के मडिहान वन-क्षेत्र से कब्जा हटाने के निवेदन हेतु ।

आदरणीय मुख्यमंत्रीजी,

सविनय निवेदन यह है कि मैं 'विंध्य बचाओ अभियान' के माध्यम से जनपद मिर्जापुर के पर्यावरण, वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण में पिछले 7 साल से प्रतिबद्ध होकर कार्य करता आ रहा हूँ । मेरी संस्था ने जनपद के वन विभाग और काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के मिर्जापुर परिसर के शिक्षकों एवं छात्रों के सहयोग से पर्यावरण की स्वच्छता एवं इको-पर्यटन के विकास के लिए कई छोटे बड़े अभियान चलाये है और सफल भी हुए है। पर्यावरण एवं वन संरक्षण पर कुछ मसलों पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण में याचिकाएं भी दायर किये है ।

मिर्ज़ापुर जनपद के मड़िहान वन क्षेत्र उत्तर प्रदेश के सबसे बेहतरीन उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वनों में से है और यहाँ की जैव-विविधता असाधारण एवं लोकप्रिय है। मडिहान वन क्षेत्र में स्लॉथ भालू, तेंदुआ, गिद्ध, चिंकारा, काला हिरन, गोह, मगरमच्छ इत्यादि वन्य जीवों का पर्यावास है। आप को ज्ञात दिला दें, कि गत माह मडिहान के वन से एक बाघ गाँवों में आने पर विवश हो गया जिस के बाद क्षेत्र में हाहाकार मच गया था ।

पिछले कुछ सालों में इस वन क्षेत्र में आकस्मिक परिवर्तन आये है जिसके मुख्य कारण जंगलों में अवैध रूप से कब्जा, वन-नाशन एवं निर्माण कार्य, पत्थर-खनन, एवं प्रशासन की अनभिज्ञता है। मडिहान वन क्षेत्र में निम्न लिखित निर्माणाधीन स्थल क्षेत्र के वन्य जीवों के आवास पर एवं उनके आवाजाही पर अत्याधिक प्रभाव डाल रहे है और इन निर्माणों पर तुरंत रोक लगाकर वनों का जीर्णोद्धार करने की आवश्यकता है:-

1. **मुलायम सिंह यादव विश्वविद्यालय**, मड़िहान, SH-5, मिर्जापुर - (वन साफ हो गया है, निर्मानाधीन)
2. **शाइन सिटी विंडम,** मड़िहान, SH-5, मिर्जापुर - (वन साफ हो गया है, प्लाट बिकाऊ)
3. **माउंटेन सिटी हेवन,** मड़िहान, SH-5, मिर्जापुर- (वन साफ हो गया है, प्लाट बिकाऊ)
4. **स्पेजियो स्मार्ट सिटी,** मड़िहान, SH-5, मिर्जापुर- (वन साफ हो गया है, प्लाट बिकाऊ)

6. इन सभी स्थलों के आसपास और भी कई प्लाट बिकाऊ बनाये गए है वनों का सफाया करके ।

यह सभी निर्माण स्थल पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील जंगल एवं वनजीवों के पर्यावास एवं आवागमन स्थानों को हटाकर बनाए जा रहे है।

आपके संज्ञान में यह बात भी लाना ज़रूरी है कि मिर्जापुर जिला वन्य-जीव एवं मानव टकराव से बुरी तरह प्रभावित है और आये दिन यहाँ भालू, तेंदुआ, मगरमच्छ, बाघ, लकडबग्घा जैसे जानवरों से स्थानीय निवासिओ का भेंट हो जाता है जिसके बाद स्थिति बहुत संवेदनशील हो जाती है । कई जानवर इसी संघर्ष में मारे जा चुके है तो कई ग्रामीणों को भी भारी नुक्सान उठाना पड़ा है । मिर्जापुर जनपद के वन-क्षेत्रों में वन्यजीवों की संख्या साल-दर-साल घटती ही जा रही है जो यह दर्शाता है कि इनके पर्यावासों को सुरक्षा प्रदान करने की अत्याधिक ज़रूरत है । मिर्जापुर वन विभाग से 2014 में प्राप्त जंगली जानवरों की आबादी के आंकड़े प्रस्तुत है:

जंतु	**2011**	**2013**
स्लॉथ-भालू	211	114
चिंकारा	277	117
काला हिरन	129	82
साम्भर	248	88

अत: आपसे सविनय निवेदन है कि जनपद के वन्यजीवों के संरक्षण के लिए वन एवं वनों के आसपास सभी निर्माणों पर तुरंत रोक लगाया जाए और ऐसे प्राचीन वन भूमि पर किये गए कब्जे को हटाकर दोषियों पर CBI जांच करवाने का आदेश दिया जाये।

सादर प्रणाम,

देबादित्यो सिन्हा
पता- 28/1, Ground Floor, Govindpuri, Kalkaji, New Delhi-110019
मोबाईल - +91-9540857338